

## तलाक के बाद फिर साथ दिखे ईशा और भरत

अभिनेत्री ईशा देओल फिर से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में ईशा देओल को खास दोस्तों के साथ लंच आउटिंग पर देखा गया।

बॉलीवुड के एवरग्रीन कपल धर्मेन्द्र और हेमा मालिनी की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल फिर से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में ईशा देओल को अपने खास दोस्तों के साथ लंच आउटिंग पर देखा गया।

इस दौरान ईशा के साथ उनके एक्स हसबैंड भरत तख्तानी भी उनके साथ दिखाई दिए, जिसकी फोटो सोशल

मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। बता दें कि ईशा देओल और उनके पति भरत तख्तानी शादी के 11 साल बाद आपसी सहमति से 6 फरवरी 2024 को अलग हो गए थे।

टीवी एक्ट्रेस स्मृति खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर लंच आउटिंग की स्टोरी शेयर की। जहां स्मृति और उनके दोस्त अपने पति के साथ लंच का लुप्त उठाते दिखाई दिए। फोटो को शेयर करते हुए स्मृति ने लिखा कि 'मस्ती भरी दोपहर और सानदार

गॉसिप... धन्यवाद ईशा'. हालांकि इस लंच के दौरान इनके साथ राकुल सिंह, जायद खान और मल्क खान नहीं नजर आए।



## दिग्विजय पर हाथ उठाएगा गौतम शो में होगी एक नए किरदार की एंट्री



टीवी सीरियल अनुपमा के अपकॉमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि वसुंधरा कोठारी और गौतम गांधी घटियापन की हद पार कर देंगे। अनुपमा और दिग्विजय को परेशान करने के लिए वसुंधरा इस हद तक गिर जाएगी, कि वो गोवा जाकर दिग्विजय के बेटे रणविजय से हाथ मिला लेगी। शो में जल्द ही रणविजय के किरदार में एक नए एक्टर की एंट्री होने वाली है। वजह यह, कि बीते कुछ वक्त में मेकर्स ने रणविजय के नाम पर चर्चा काफी बढ़ाई है। अब जब वसुंधरा और गौतम गोवा जाकर उससे मिलकर भी आए हैं, तो उससे जुड़े ट्विस्ट जल्द ही बढ़ाए जायेंगे। सीरियल के नए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि वसुंधरा कोठारी एक बार फिर अपनी बहू ख्याति को बेइज्जत करती नजर आएगी। दरअसल वसुंधरा कोठारी अपने दामाद गौतम के साथ गोवा जाकर आई होगी यह बात ख्याति को पता चला जाएगी। वह जब वसुंधरा से इस बारे में सवाल करेगी तो मोटी बा बहुत बदतमीजी भरे लहजे में उसे जवाब देगी, 'हम लोग गोवा कब गए, क्यों गए, ये हम तुम्हें बताना जरूरी नहीं समझते ख्याति.' वसुंधरा अपनी बहू को बुरा भला कह ही रही होगी, कि दरवाजे की तरफ से एक बुलंद आवाज सुनाई पड़ेगी- तो मुझे बता दीजिए। यह आवाज और किसी की नहीं, बल्कि दिग्विजय सूद की होगी।

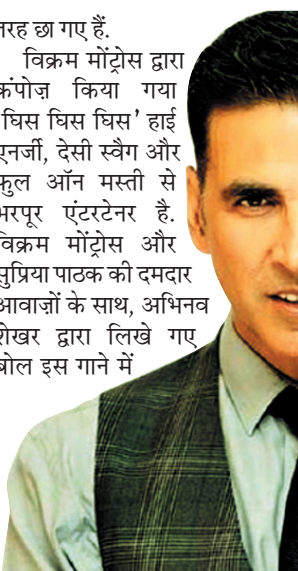
किरदार में एक नए एक्टर की एंट्री होने वाली है। वजह यह, कि बीते कुछ वक्त में मेकर्स ने रणविजय के नाम पर चर्चा काफी बढ़ाई है। अब जब वसुंधरा और गौतम गोवा जाकर उससे मिलकर भी आए हैं, तो उससे जुड़े ट्विस्ट जल्द ही बढ़ाए जायेंगे। सीरियल के नए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि वसुंधरा कोठारी एक बार फिर अपनी बहू ख्याति को बेइज्जत करती नजर आएगी। दरअसल वसुंधरा कोठारी अपने दामाद गौतम के साथ गोवा जाकर आई होगी यह बात ख्याति को पता चला जाएगी। वह जब वसुंधरा से इस बारे में सवाल करेगी तो मोटी बा बहुत बदतमीजी भरे लहजे में उसे जवाब देगी, 'हम लोग गोवा कब गए, क्यों गए, ये हम तुम्हें बताना जरूरी नहीं समझते ख्याति.' वसुंधरा अपनी बहू को बुरा भला कह ही रही होगी, कि दरवाजे की तरफ से एक बुलंद आवाज सुनाई पड़ेगी- तो मुझे बता दीजिए। यह आवाज और किसी की नहीं, बल्कि दिग्विजय सूद की होगी।

## 'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज हो गया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी

तरह छा गए हैं। विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज किया गया 'घिस घिस घिस' हार्ड एनर्जी, देसी स्वेज और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाजों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में

'वेलकम' फ्रेंचाइजी की वाली रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को जिंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं। गाने को लेकर बात करते हुए कंपोजर और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, "घिस घिस घिस" को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे। इसमें बॉलीवुड की एनर्जी, भोजपुरी फ्लेवर और 'वेलकम टू द जंगल' का पागलपन सबकुछ एक साथ है। गाने का हुक आईडिया इश्टेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूजिक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है। 'जंगली' म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत 'घिस घिस घिस' अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूजिक वीडियो टाइम्स म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।



## फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग हुई शुरु

अभिनेता बाबिल खान ने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर बाबू जनार्दनन कर रहे हैं और यह फिल्म बाबिल के करियर में एक खास पड़ाव मानी जा रही है। फिल्म में अर्पणा बालमुरली, दीपक परबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटीनी, जगदीश, सुधीर करमाना, अध्याय राजन और जयशंकर समेत कई शानदार कलाकार नजर आएंगे। बाबिल खान ने कहा, 'मलयालम सिनेमा हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहा है क्योंकि वहां कहानियां संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ दिखाई जाती हैं। एक अभिनेता के तौर पर मैं हमेशा मानता हूँ कि असली विकास तब होता है जब आप खुद को किसी नई दुनिया, नए लोगों और नई भावनाओं के हवाले कर देते हैं। सिलिगुड़ी में गांधी

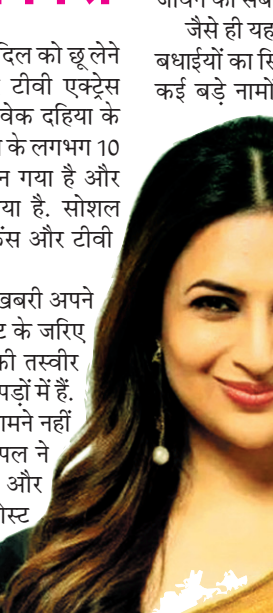
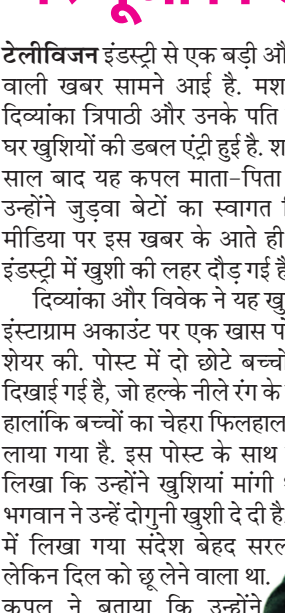
बाजार संडे मार्केट की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक, भावुक और रचनात्मक रूप से संतोष देने वाला अनुभव है।' बाबिल खान ने कहा, 'बाबू सर के साथ काम करना और इतने शानदार कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए बहुत खास अनुभव होने वाला है। मैं हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहता था जो लोगों पर गहरा असर छोड़ें और मुझे सिर्फ एक अभिनेता ही नहीं बल्कि एक इंसान के तौर पर भी बेहतर बनने की चुनौती दें। यह फिल्म मुझे वही मौका दे रही है। मलयालम सिनेमा में कदम रखना मेरे करियर का सिर्फ नया अध्याय नहीं है, बल्कि एक ऐसा सफर है जिसे शुरू करने के लिए मैं खुद को बेहद भाग्यशाली और विनम्र महसूस करता हूँ।'



## दिव्यांका त्रिपाठी के घर गूंजी किलकारी

जीवन में खुशियों की उम्मीद की थी, लेकिन उन्हें डबल गिफ्ट मिला है। मेरे करण अर्जुन आ गए, उन्होंने आगे लिखा हमने खुशियां मांगी थीं, भगवान ने हमें दोगुनी खुशी दे दी। विवेक दहिया ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि लंबे इंतजार के बाद यह पल उनके जीवन का सबसे खास मोड़ है। जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर बधाईयों का सिलसिला शुरू हो गया। टीवी इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने इस कपल को शुभकामनाएं दीं। कमेंट करते हुए लिखा कि यह खबर बेहद खुशी देने वाली है और दोनों को ढेर सारी बधाई। फैंस ने भी सोशल मीडिया पर कमेंट्स की झड़ी लगा दी। किसी ने इसे ब्लेसिंग मोमेंट कहा तो किसी ने इसे लव स्टोरी का सबसे खूबसूरत चैप्टर बताया।

जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर बधाईयों का सिलसिला शुरू हो गया। टीवी इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने इस कपल को शुभकामनाएं दीं। कमेंट करते हुए लिखा कि यह खबर बेहद खुशी देने वाली है और दोनों को ढेर सारी बधाई। फैंस ने भी सोशल मीडिया पर कमेंट्स की झड़ी लगा दी। किसी ने इसे ब्लेसिंग मोमेंट कहा तो किसी ने इसे लव स्टोरी का सबसे खूबसूरत चैप्टर बताया।



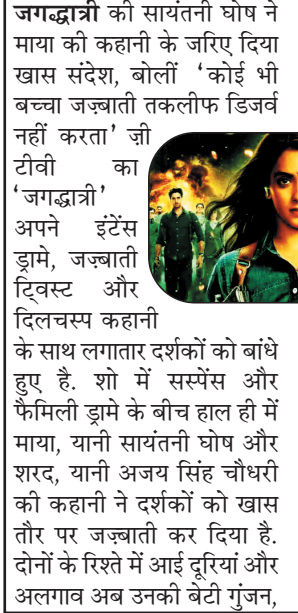
## शूटिंग से पहले ही डॉन 3 पर संकट

धुरंधर की सक्सेस के बाद रणवीर सिंह का करियर ऊंचाइयों को छू रहा है लेकिन इसी बीच रणवीर सिंह अपनी गलती की वजह से फंस गए हैं। खबर कुछ ऐसी है कि फरहान अख्तर की डॉन 3 की शूटिंग शुरू होने वाली थी कि 3 हफ्ते पहले ही रणवीर सिंह ने मूवी को छोड़ दिया। इसी के बाद से सारी परेशानियों की शुरुआत हो गई। अब इस विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। फेडरेशन ऑफ चैप्टरन इंडिया सिने एम्प्लॉइज में शिकायत दर्ज होने के बाद रणवीर सिंह ने कड़ा कदम उठाते हुए रणवीर सिंह पर बैन लगाने का फैसला किया है। इस दौरान अशोक पंडित ने खुलासा किया कि फरहान अख्तर की कंपनी ने रणवीर सिंह से करीब 45 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है।

## सायंतनी घोष ने माया की कहानी के जरिए दिया खास संदेश

जगद्धात्री की सायंतनी घोष ने माया की कहानी के जरिए दिया खास संदेश, बोलों 'कोई भी बच्चा जन्माती तकलीफ डिजर्व नहीं करता' जो टीवी का 'जगद्धात्री' अपने इंटेंस ड्रामे, जन्माती दिवस्ट और दिलचस्प कहानी के साथ लगातार दर्शकों को बांधे हुए है। शो में सस्पेंस और फैमिली ड्रामे के बीच हाल ही में माया, यानी सायंतनी घोष और शरद, यानी अजय सिंह चौधरी की कहानी ने दर्शकों को खास तौर पर जन्माती कर दिया है। दोनों के रिश्ते में आई दूरियां और अलगाव अब उनकी बेटी गुंजन,

यानी परी भनुशाली पर गहरा असर डाल रहे हैं। यह कहानी एक ऐसी सच्चाई सामने ला रही है, जिससे कई परिवार खुद को नहीं करता' जो जोड़कर देख सकते हैं। इस जन्माती ट्रेक के जरिए सायंतनी घोष यह दिखाने की कोशिश कर रही हैं कि माता-पिता के बीच की गलतफहमियां और झगड़े बच्चों पर कितनी गहरी जन्माती छाप छोड़ सकते हैं, खासकर उन बच्चों पर जो अपने मन की बात खुलकर कह नहीं पाते। हाल के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि माया और शरद अलग रह रहे हैं, हालांकि उनका तलाक नहीं हुआ है।



## कृषि जगत

### वन तुलसी सेहत के लिए प्राकृतिक वरदान

आयुर्वेद में तुलसी को बेहद पवित्र और औषधीय पौधा माना जाता है, लेकिन वन तुलसी की बात करें तो इसके फायदे और भी ज्यादा बताए जाते हैं। बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल के बीच लोग अब प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपायों की तलाश तेजी से लौट रहे हैं। ऐसे में वन तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जाती। इसकी पत्तियों में मौजूद औषधीय गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं और कई सामान्य बीमारियों से बचाव भी करते हैं। वन तुलसी का नियमित सेवन

सर्दी-जुकाम, खांसी, गले की खराब और वायरल संक्रमण जैसी समस्याओं में राहत देता है। यही वजह है कि अब लोग घरों में इसे उगाने लगे हैं। खास बात यह है कि वन तुलसी को उगाना बेहद आसान है और इसकी देखभाल में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती। कम जगह में भी सीमित संसाधनों में भी यह पौधा आसानी से तैयार हो जाता है। वन तुलसी को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई संक्रमणों से बचाने में मदद करते हैं।



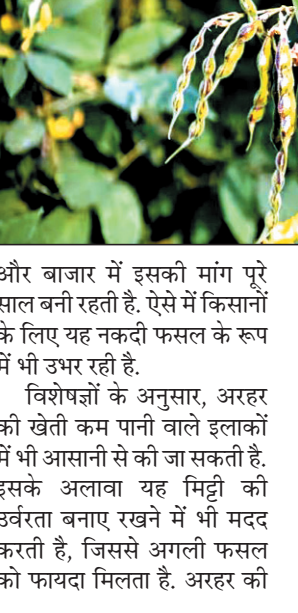
## अरहर की खेती में अपनाएं नई तकनीक

मिट्टी, बीज और सिंचाई का सही प्रबंधन है जरूरी देश में दालों की बढ़ती मांग के बीच अरहर की खेती किसानों के लिए फायदे का सोदा बनती जा रही है। खासकर खरीफ सीजन में इसकी खेती से अच्छी पैदावार और बेहतर मुनाफा मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि अब बड़ी संख्या में किसान पारंपरिक फसलों के साथ अरहर की खेती की तरफ भी तेजी से रुख कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सही समय पर बुवाई और वैज्ञानिक तरीके अपनाए जाएं, तो किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं। अरहर की दाल भारतीय रसोई का अहम हिस्सा मानी जाती है

अरहर की खेती में नमी बनाए रखना जरूरी होता है। बारिश कम होने की स्थिति में हल्की सिंचाई फसल के विकास में मदद करती है। साथ ही खेत में खरपतवार नियंत्रण पर भी ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि इससे पौधों की ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। समय-समय पर फसल की निगरानी करते रहना चाहिए, ताकि कीट और रोगों से बचाव किया जा सके।

अरहर की फसल में ज्यादा सिंचाई की जरूरत नहीं होती, लेकिन शुरुआती दिनों में नमी बनाए रखना जरूरी होता है। बारिश कम होने की स्थिति में हल्की सिंचाई फसल के विकास में मदद करती है। साथ ही खेत में खरपतवार नियंत्रण पर भी ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि इससे पौधों की ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। समय-समय पर फसल की निगरानी करते रहना चाहिए, ताकि कीट और रोगों से बचाव किया जा सके।

अरहर की फसल में ज्यादा सिंचाई की जरूरत नहीं होती, लेकिन शुरुआती दिनों में नमी बनाए रखना जरूरी होता है। बारिश कम होने की स्थिति में हल्की सिंचाई फसल के विकास में मदद करती है। साथ ही खेत में खरपतवार नियंत्रण पर भी ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि इससे पौधों की ग्रोथ प्रभावित हो सकती है। समय-समय पर फसल की निगरानी करते रहना चाहिए, ताकि कीट और रोगों से बचाव किया जा सके।



## तेज गर्मी में बकरियों का रखें खास ध्यान

गर्मियों का मौसम इंसानों के साथ-साथ पशुओं के लिए भी बड़ी चुनौती लेकर आता है। तेज धूप, गर्म हवाएं और लगातार बढ़ता तापमान बकरियों की सेहत पर गंभीर असर डालता है। खासकर बकरी पालन करने वाले किसानों के लिए यह समय बेहद सावधानी बरतने वाला होता है, क्योंकि बकरियां गर्मी को ज्यादा देर तक सहन नहीं कर पाती और जल्दी ही हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाती हैं। कई बार थोड़ी सी लापरवाही उनकी जान पर भारी पड़ सकती है। गर्मियों में बकरियों के शरीर का तापमान तेजी से बढ़ने लगता है। यदि समय रहते उन्हें राहत नहीं मिलती, तो वे सूख पड़ जाती हैं, खाना-पीना छोड़ देती हैं और

सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। गंभीर स्थिति में उनकी मौत तक हो सकती है। ऐसे में पशुपालकों को गर्मी के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है। बकरियों को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखना चाहिए। दिन के समय उन्हें सीधे धूप में चराने के बजाय सुबह और शाम के समय बाहर निकालना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। दोपहर की तेज धूप में बाहर रहने से हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा पशु शेड में पर्याप्त छांव और हवा की व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। गर्मी के मौसम में साफ और ठंडा पानी बकरियों के लिए सबसे जरूरी चीज माना जाता है।

गर्मियों में थोड़ी सी सावधानी और सही देखभाल से बकरियों को गंभीर बीमारियों और हीट स्ट्रोक से बचाया जा सकता है। सही समय पर पानी, छांव और संतुलित आहार देने से पशु स्वस्थ रहते हैं और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से भी राहत मिलती है।

## गर्मी में किचन वेस्ट करेगा कमाल

बढ़ती गर्मी में पौधों को ज्यादा पोषण और नमी की जरूरत होती है, ऐसे में घर पर बनी ऑर्गेनिक खाद मिट्टी को मजबूत बनाती है और पौधों की ग्रोथ को तेजी देती है। किचन वेस्ट से बनी खाद मिट्टी में जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व जोड़ती है, जिससे पौधे ज्यादा हरे-भरे और स्वस्थ दिखते हैं।

इतना ही नहीं, यह तरीका पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार साबित हो रहा है, क्योंकि इससे घर का गोला कचरा कम होता है और केमिकल फर्टिलाइजर पर निर्भरता भी

घटती है। कम खर्च और आसान प्रक्रिया के कारण अब शहरों में लोग तेजी से इस तकनीक को अपना रहे हैं। गर्मियों में मिट्टी जल्दी सूख जाती है, जिससे पौधों की जड़ों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता। ऐसे में किचन वेस्ट से तैयार ऑर्गेनिक खाद मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद करती है। 6 सप्ताहों और

आज के समय में जब लोग टेरस गार्डनिंग और होम गार्डनिंग की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं, तब किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। छोटे-छोटे प्रयास न सिर्फ घर की हरियाली बढ़ा सकते हैं, बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ जीवनशैली की दिशा में भी बड़ा कदम बन सकते हैं। फलों के छिलकों में मौजूद प्राकृतिक मिनरल्स मिट्टी को अंदर से मजबूत बनाते हैं। खास बात यह है कि इस खाद को तैयार करने के लिए किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं होती। घर के किसी कोने में एक छोटा डब्बा या बाल्टी रखकर आसानी से कंपोस्ट तैयार की जा सकती है।

आज के समय में जब लोग टेरस गार्डनिंग और होम गार्डनिंग की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं, तब किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। छोटे-छोटे प्रयास न सिर्फ घर की हरियाली बढ़ा सकते हैं, बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ जीवनशैली की दिशा में भी बड़ा कदम बन सकते हैं। फलों के छिलकों में मौजूद प्राकृतिक मिनरल्स मिट्टी को अंदर से मजबूत बनाते हैं। खास बात यह है कि इस खाद को तैयार करने के लिए किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं होती। घर के किसी कोने में एक छोटा डब्बा या बाल्टी रखकर आसानी से कंपोस्ट तैयार की जा सकती है।

